प्रतिदिन अखबार
पास-पड़ोस
अमरावती, मंगलवार, 4 मई 2021
12

# फिर रोका गया एक बाल विवाह

## चाइल्ड लाइन व बाल संरक्षण कक्ष की कार्रवाई

**संवाददाता, 3 मई**

**अचलपुर-** तहसील के ग्राम टवलार में 14 वर्षीय बालिका का विवाह बुलढाणा जिले के 21 वर्षीय व्यक्ति के साथ हो रहा है, ऐसी जानकारी चाइल्ड लाइन को रविवार क ो प्राप्त हुई. केंद्र प्रमुख अमित कपूर ने जिला महिला बालविकास अधिकारी अतुल भडांगे के मार्गदर्शन में जिला बाल संरक्षण अधिकारी अजय डबले व बाल संरक्षण अधिकारी भूषण कावरे को दी. चाइल्ड लाइन के शंकर वाघमारे व बाल संरक्षण कक्ष के आकाश बरवट तथा भूषण कावरे ने पथ्रोट के सहायक पुलिस निरीक्षक जाधव से संपर्क करते हुए पीएसआई आर. वसुकार की टीम के साथ टवलार पहुंचे. जहां पर बाल विवाह हो रहा था वहां जाकर लड़की के माता-पिता के साथ ग्राम बाल संरक्षण समिति की बैठक ली गई. बैठक में बाल विवाह अधिनियम 2006 के तहत लड़की की आयु 18 वर्ष होने तक शादी नहीं करेंगे, ऐसा गारंटी पत्र बाल संरक्षण समिति व लड़की के माता-पिता के समक्ष लिखवाया गया. लड़की के पिता की आर्थिक हालत कमजोर रहने से लड़की 18 साल की होने तक उसे बालगृह में रखा जाएगा. इस कार्रवाई के समय आंगनवाड़ी सेविका, सरपंच, पुलिस पटेल, आशा वर्कर, मुख्याध्यापक व प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित थे. जिले में बाल विवाह की संख्या बढ़ती जा रही है. उस पर रोक लगाना आवश्यक है.

### एक माह में रोके 8 बार विवाह

अमरावती जिले में बाल विवाह की प्रथा बढ़ती जा रही है. गत एक माह में बाल संरक्षण कक्ष ने 8 बालविवाह रोकने में सफलता प्राप्त की. लड़की की आयु 18 साल व लड़के की आयु 21 साल होने तक उनका विवाह न करें, नहीं तो विवाह में उपस्थित सभी के खिलाफ कानूनन कार्रवाई की जाएगी.

**- भूषण कावरे, बाल संरक्षण अधिकारी, अमरावती**

# ग्रामीण क्षेत्र में बढ़ाएं कोरोना टेस्ट

**प्रतिनिधि, 3 मई**

**अकोला-** बारिश शुरु होते ही ग्रामीण क्षेत्र में बुआई व उससे जुड़े कृषि कार्यों के लिए भागदौड़ बढ़ेगी. इस हाल में कोविड-19 के संक्रमण को रोकने के लिए ग्रामीण क्षेत्र में कोरोना टेस्ट की संख्या बढ़ाएं. कोरोना मरीज व उनके संपर्क में आए व्यक्तियों को ढूंढ निकालकर उनका इलाज करवाएं. ऐसे निर्देश महिला व बालविकास मंत्री एड. यशोमति ठाकुर ने दिए. सोमवार को जिलाधीश कार्यालय के नियोजन भवन में कोरोना का जायजा लेने के लिए आयोजित बैठक में वह बोल रही थीं. बैठक में विधायक नितिन देशमुख, जिलाधीश जीतेंद्र पापलकर, जिप के सीईओ सौरभ कटियार, पुलिस अधीक्षक जी. श्रीधर, शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मीनाक्षी गजभिये, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. राजकुमार चव्हाण, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुरेश आसोले, निवासी उपजिलाधीश संजय खड़से, वैद्यकीय महाविद्यालय के उपअधिष्ठाता डॉ. घोरपड़े, डॉ. सिरसाम, उपविभागीय अधिकारी डॉ. निलेश अपार, पूर्व विधायक बबन चौधरी, सामाजिक कार्यकर्ता आशा मिरगे उपस्थित थे.

### महिला व बालविकास मंत्री एड. यशोमति के जायजा बैठक में निर्देश

मंत्री एड. यशोमति ठाकुर ने कोरोना मरीजों का हाल, उन्हें दी जाने वाली सुविधाएं आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की. जिले में कोविड मरीजों की बढ़ती संख्या के अनुसार मरीजों के लिए बेड तथा ऑक्सीजन व वेंटिलेटर की सुविधा बढ़ाने के निर्देश मंत्री महोदया ने स्वास्थ्य विभाग को दिए. जिले में ऑक्सीजन की उपलब्धता, मांग व आवश्यकता आदि के बारे में जानकारी दी गई. कोरोना की तीसरी लहर के मद्देनजर जिले में पर्याप्त ऑक्सीजन उपलब्ध कराने का नियोजन करें तथा ग्रामीण क्षेत्र में खरीफ मौसम में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए अभी से पटवारी ग्रामसेवक, स्वास्थ्य सेवक, कोतवाल व प्रशासन की टीम तैयार रखें.

कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते सभी विभाग आपस में समन्वय रखें तथा जनप्रतिनिधि सहयोग दें. दवा तथा ऑक्सीजन की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें, ऐसे निर्देश महिला व बालविकास मंत्री एड. यशोमति ठाकुर ने पुलिस प्रशासन को दिए.

# चारों हमलावरों को मिली जमानत

**संवाददाता, 3 मई**

**चांदूर रेलवे-** किसी बात का गुस्सा मन में रखकर युवक पर जानलेवा हमला करने वाले चारों आरोपियों को जमानत पर रिहा किया गया. आरोपियों की ओर से एड. अहेफाज राराणी ने सफल पैरवी की.

एड. अहेफाज राराणी

जानकारी के अनुसार सिद्धार्थ पाटिल ने अंतरजातीय प्रेम विवाह करने पर गुस्से से पागल अक्षय सुभाष यादव (23), पप्पू उर्फ राहुल श्रीधर यादव (35), पवन महादेव यादव (28) व कैलाश राम यादव (39, सभी शिवाजी नगर) ने उसकी हत्या करने के उद्देश्य से लोहे की सलाखें, लकड़ियां व पत्थरों से सिर तथा चेहरे पर प्रहार कर सिद्धार्थ को गंभीर घायल कर दिया. सिद्धार्थ की पत्नी की शिकायत पर चांदूर रेलवे पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ भादंवि की धारा 307, 504, 506 के तहत मामला दर्ज किया था. चारों को गिरफ्तार कर पीसीआर लेने के पश्चात चारों को अदालत के निर्देशों के अनुसार अमरावती कारागृह में एमसीआर में रखा गया था. एड. राराणी की सफल पैरवी के बाद आरोपियों को जमानत पर रिहा किया गया.

# दीक्षा को कब मिलेगा न्याय?

## कलेक्ट्रेट के सामने बिरसा दल की अनशन की चेतावनी

**संवाददाता, 3 मई**

**चांदूर बाजार-** स्थानीय भूमि अभिलेख कार्यालय में कार्यरत आदिवासी महिला कर्मचारी दीक्षा उईके को भूमि अभिलेख अधिकारी व दो महिला कर्मचारियों द्वारा प्रताड़ित किए जाने की शिकायत दीक्षा व बिरसा क्रांति दल के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री, जिलाधीश व पुलिस अधीक्षक से की थी. जिस पर जिलाधीश व पुलिस अधिकारी ने मामले की जांच कर संबंधित विभाग को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए थे. उसे एक माह बीत गया, लेकिन लाल फीताशाही के चक्कर में जांच व कार्रवाई अटक गई है. अनेक आदिवासियों ने भी सीएम को मेल भेजे. उसकी भी दखल नहीं ली गई. इसलिए दीक्षा की दीपाली बनने पर उसे न्याय मिलेगा क्या? ऐसा सवाल करते हुए शासन व प्रशासन ने संबंधित दोषी अधिकारियों को निलंबित कर अपराध

दर्ज नहीं किया तो कलेक्ट्रेट के सामने बेमियादी अनशन का इशारा बिरसा क्रांति दल के जिलाध्यक्ष अर्जुन युवनाते ने जिलाधीश से ज्ञापन सौंपकर दिया है. भूमि अभिलेख कार्यालय के उप अधीक्षक राजू घेटे ने महिला भूमापन कर्मचारी दीक्षा उईके की मानसिक प्रताड़ना की, जिससे तंग आकर दीक्षा ने 5 मार्च को आत्महत्या का प्रयास किया था. उसने बिरसा क्रांति दल की मदद से मामले की शिकायत सांसद नवनीत राणा, पालकमंत्री, विभागीय आयुक्त पुलिस अधीक्षक से करते हुए न्याय की मांग की थी.

जिलाधीश ने जांच कर रिपोर्ट के निर्देश देने के बावजूद भी अभी तक जांच तथा रिपोर्ट नहीं बनी और दीक्षा को न्याय नहीं मिला. मानसिक तनाव में रहने वाली दीक्षा को झूठे केस में फंसाने की धमकियां दी जा रही है. इसलिए संबंधित अधिकारी व महिला कर्मचारियों को निलंबित कर अपराध दर्ज नहीं किया गया तो अनशन की चेतावनी बिरसा क्रांति दल ने दी है.

# गंभीर मरीजों को लेकर भटकने की विवशता

## ऑक्सीजन बेड, वेंटीलेटर बेड की किल्लत|एम्बुलेंस चालकों ने बताया रोज का अनुभव

**प्रतिनिधि, 3 मई**

**अमरावती -** जिले में कोरोना महामारी की दूसरी लहर घातक साबित हो रही है. बढ़ती मरीज संख्या के कारण अस्पतालों में आक्सीजन, वेंटीलेटर बेड कम पड़ रहे हैं. विशेष रूप से गंभीर मरीजों के लिए आक्सीजन बेड तथा वेंटीलेटर बेड मिलना कठिन होने की जानकारी कुछ एम्बुलेंस चालकों ने दी. उन्होंने बताया कि बेड की तलाश के लिए उन्हें कई अस्पतालों के चक्कर काटने पड़ते हैं. तीन एम्बुलेंस की स्थिति जब इस तरह है तो जिले में 335 एम्बुलेंस हैं, उनकी क्या स्थिति होगी, ऐसा प्रतिप्रश्न लोगों द्वारा किया जा रहा है. इससे जिले की स्थिति भी गंभीरता की ओर जाने की संभावना जताई जा रही है. गंभीर किस्म के मरीजों के लिए बेड की व्यवस्था करने की जरूरत जताई जा रही है.

शहर में सुपर स्पेशालिटी, जिला सामान्य अस्पताल, पीडीएमसी अस्पताल में मरीजों को लाने वाली एम्बुलेंस के चालकों से बातचीत करने पर उन्होंने अपना दर्द बताया. उनके मुताबिक कोरोना के गंभीर किस्म के मरीजों को दाखिल करने से पूर्व परिजनों द्वारा बातचीत कर ली जाती है. इसके बाद मरीजों को ले जाने को प्राथमिकता दी जाती है. लेकिन इसके बाद भी मरीजों को ले जाने पर एम्बुलेंस में रख कर ही प्रतीक्षा करनी पड़ती है. लाए गए मरीज के लिए आक्सीजन बेड, वेंटीलेटर बेड नहीं रहने के कारण घंटों इंतजार करना पड़ता है.

ऐन समय पर दूसरे अस्पताल की खोजबीन करनी पड़ती है. कहीं भी नहीं मिलने पर सुपर स्पेशालिटी में ले जाने की बात एम्बुलेंस चालकों ने कही. अमरावती में रविवार को केवल पांच वेंटीलेटर उपलब्ध थे. इससे गंभीर किस्म के मरीजों को लेकर भटकने की नौबत आयी.

### सायरन से भय के साथ तकलीफ

कोरोना महामारी को लेकर कारण टीवी तथा समाचार पत्रों में प्रकाशित हो रही खबरों से ही लोग भयभीत हैं. ऐसे में दिनभर दौड़ने वाली एम्बुलेंस के बजते सायरन लोगों को और अधिक डराने का काम करने की भावना कईयों ने व्यक्त की.

### न्यू गणेश कॉलोनी के नागरिक परेशान

शहर के पॉश इलाके के रूप में गिने जाने वाले न्यू गणेश कॉलोनी के पीछे ही हिंदू श्मशान भूमि है. यहां के नागरिक कोरोना मरीजों को अंतिम संस्कार के लिए लाने वाली एम्बुलेंस द्वारा लगातार सायरन बजाने से परेशान है. विशेष रूप से क्षेत्र के बुजुर्ग, मानसिक रूप से कमजोर के साथ ही बीमार लोगों को इससे काफी तकलीफ होती है. क्षेत्रवासियों ने मनपा आयुक्त तथा जिलाधिकारी से क्षेत्र में अंतिम संस्कार के लिए जाने वाले कोरोना मरीजों के एम्बुलेंस से सायरन बंद रखने का आग्रह भी कुछ महीने पहले किया है.

### क्या कहते हैं एंबुलेंस चालक

एंबुलेंस चालक बाशिन शेख के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्रों से इर्विन अस्पताल, सुपर स्पेशालिटी में कोरोना मरीजों को लाना पड़ता है. दिनभर में कभी सात राऊंड होता है. कभी मरीज को नागपुर ले जाना पड़ता है. कभी पीडीएमसी अस्पताल तो कभी निजी अस्पताल में जाना पड़ता है. निजी अस्पताल के सामने कई घंटे खड़ा रहना पड़ता है. बेड नहीं मिलने पर दूसरे अस्पताल की ओर रूख करने की जानकारी उन्होंने दी. इस दौरान परिजनों की स्थिति सोचनीय रहती है.

### दिनभर में 5 राऊंड

एम्बुलेंस चालक सुयोग खंडारे के मुताबिक एक अस्पताल में भर्ती मरीज को दूसरे अस्पताल में पहुंचाने का काम वह प्राथमिकता से करता है. दिनभर में कम से कम 5 राऊंड होने की जानकारी दी. मरीज को दूसरे अस्पताल में ले जाने का कारण परिजन नहीं बताते हैं. उसके मुताबिक जितनी मदद करना संभव है, वह करने का प्रयास करता है. यह काम करते समय अब डर भी नहीं लगने की बात सुयोग खंडारे ने कही.

### दिनभर में होते हैं चार राउंड

एम्बुलेंस चालक सतीश गोंडाणे के मुताबिक वह परतवाड़ा से अमरावती मरीजों को लाता है. दिनभर में उसके 4 राउंड होते हैं. मरीज निकालने से पहले संबंधित अस्पतालों से बातचीत हुई रहती है. इसके बाद भी मरीज को ले जाने पर मरीज को दाखिल करने में परेशानी होती है. आक्सीजन बेड, वेंटीलेटर बेड नहीं रहने का कारण बताया जाता है. ऐसे में ऐन समय पर मरीज को दूसरे अस्पताल में ले जाना पड़ता है.

### शहर में भी स्थिति खतरनाक

शहर में भले ही अच्छी व्यवस्था के दावे किये जा रहे हैं लेकिन कोरोना के गंभीर किस्म के गरीब मरीजों को अत्याधिक परेशानी होती है. मरीजों से भी अधिक परेशानी मानसिक रूप से कमजोर पड़े परिजनों को होती है. कई स्थानों पर सही जानकारी नहीं मिलने की शिकायत भी नागरिकों द्वारा की गई है.

# धारणी में मनोरम चंद्रदर्शन

**संवाददाता, 3 मई**

**धारणी-** धारणी तहसील में इन दिनों विविध मौसमों के मिश्रित संक्रमण नजर आ रहे हैं. यहां दिन की चिलचिलाती कड़ी धूप तेजी से बढता तापमान का पारा माहौल को गर्म कर देता है. मगर शाम होते ही आसमान में बादलों का जमावड़ा हो जाता है. ऐसे में गर्मी गायब हो जाती है. रात के समय में चांद का दर्शन का सुखद, नायनाभिराम अनुभव होता है. यहां चंद्रदर्शन मन मोह लेता है. प्रकृति की विविध छंटाओं को देखने का अवसर इन दिनों कठिन कोरोना के काल में मन को खुश कर देता है. ठंडक पहुंचाता है. बता दें कि धारणी शहर में अब तापमान का पारा 42 डिग्री तक पहुंचा है. धूप के चटके शरीर को असहनीय हो रहे हैं. ऐसे में शाम में आसमान में बादलों को मंडराते ही माहौल की गर्मी गायब हो रही है.

रात के समय आसमान में बादले के पीछे छिपा हुआ मनोरम चंद्रदर्शन मन को लुभा रहा है. पूर्णिमा के बाद चांद को विविध रूपों में देखने का मौका प्रकृति प्रेमियों को उल्हासित कर रहा है. धारणी वासियों को यह चंद्रदर्शन का मौका आया है.

# बोलेरो की टक्कर से एक की मृत्यु

**अंजनगांव-दर्यापुर रोड पर निंभारी पुल के पास हादसा**

**दर्यापुर,संवाददाता, 3 मई-** तोंगलाबाद निवासी प्रशांत दयाराम जलमकर रविवार को परतवाड़ा से दुपहिया वाहन से लौट रहे थे. अंजनगांव-दर्यापुर मार्ग पर निंभारी के पुल के पास बोलेरो वाहन क्रमांक एमएच 20 बीसी 4744 गाड़ी ने उनकी मोटर साइकिल क्र. एमएच 27 एवाई 5696 को टक्कर मारी. इस दुर्घटना में प्रशांत जलमकर की मौके पर ही मृत्यु हुई. प्रशांत सौर ऊर्जा का काम करता था. रविवार की रात 9 बजे उसका अंतिम संस्कार किया गया. ग्रामवासियों ने सामूहिक श्रद्धांजलि अर्पित की.

## राशन दुकानदारों की मांगों तत्काल मंजूर करें

**दर्यापुर,संवाददाता, 3 मई-** कोरोना के इस दौर में अपनी जान खतरे में डालकर राशन वितरित कर रहे राशन दुकानदार कोविड फाइटर का काम कर रहे हैं. उन्हें 50 लाख रुपए का बीमा कवच देने की मांग शिक्षक आघाड़ी अमरावती के जिला उपाध्यक्ष निलेश पारडे ने की. मांगें मंजूर नहीं हुई तो राशन वितरण रोकने की चेतावनी दुकानदारों के संगठन ने दी है.

# संजीवनी बना 830 कोरोना मरीजों के लिए प्लाज्मा

**प्रतिनिधि, 3 मई**

**अमरावती -** शहर तथा जिले में कोरोना महामारी की तीव्रता ने सभी को त्रस्त किया है. कोरोना मरीज पर जब सभी उपाय बेकार साबित होते हैं तो उस समय प्लाज्मा काम में आता है.जिले के 830 से अधिक मरीजों के लिए यह संजीवनी साबित हुआ है. गंभीर किस्म के मरीजों को दिए गए प्लाज्मा का बेहतरीन परिणाम आया है. प्लाज्मा यूनिट का पूरा नियंत्रण जिलाधिकारी के पास है.

कोरोना से पूरी तरह से ठीक होने के 28 दिन बाद संबंधित व्यक्ति के रक्त से प्लाज्मा लिया जाता है. जो कोरोना से ठीक हुआ है, वही प्लाज्मा दान कर सकता है. इसमें बड़े पैमाने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित रहती है. दाता द्वारा रक्तदान करने के बाद उससे दो यूनिट प्लाज्मा तैयार होता है. प्रमाण कम रहने पर कई बार एक यूनिट ही बनता है. जिले में अभी तक 427 लोगों ने प्लाज्मा दान किया है. इससे 840 यूनिट प्लाज्मा तैयार हुआ. 830 मरीजों को प्लाज्मा दिया गया. पांच यूनिट नष्ट करना पड़ा था और पांच यूनिट फिलहाल उपलब्ध है. इसके अलावा अन्य शहरों से भी 100 यूनिट प्लाज्मा आया है. नागपुर, अकोला, यवतमाल से अमरावती में प्लाज्मा आया है.प्लाज्मा में अधिकाधिक योगदान नागपुर का है. इसके साथ ही अमरावती जिले से भी अन्य जिलों को मांग के मुताबिक प्लाज्मा दिया गया है.प्लाज्मा के लिए किसी भी जिले ने किसी को नहीं रोका.

### पहले होती है जांच

अस्पताल द्वारा आरटीपीसीआर जांच की रिपोर्ट और मांग संबंधी आवेदन भेजने के बाद एक यूनिट प्लाज्मा दिया जाता है. रक्त गुट के मुताबिक प्लाज्मा दिया जाता है. उदाहरणार्थ मरीज का रक्तग्रुप ओ पॉजिटिव रहने पर उसे ओ पॉजिटिव दाता का ही प्लाज्मा दिया जाता है. प्लाज्मा देने के पहले मरीज के रक्तगुट की जांच की जाती है. प्लाज्मा देने के बाद वह मरीज के रक्त से मैच हो रहा है, इसकी इर्विन में जांच की जाती है. अगर मैच नहीं हुआ तो नहीं दिया जाता है.

### जब सभी उपाय होते विफल, प्लाज्मा करता है सफल

### कॉल सेंटर रखता है डाटा

कोरोना मरीज ठीक होकर घर जाने पर इर्विन के कॉल सेंटर द्वारा 7 दिन तक उसकी जानकारी ली जाती है.पहले दिन उसकी तबियत की जानकारी ली जाती है. दूसरे दिन रक्तगुट की जानकारी लेने के बाद प्लाज्मा दान करने के बारे में भी उससे बातचीत करने की जानकारी प्लाज्मा विभाग के डॉ. अजय साखरे ने दी. रक्त विभिन्न घटकों से बनता है.

शरीर में रहने वाले रक्त में सफेद पेशी, प्लेटलेटस रहते हैं. इसके साथ ही अलग-अलग बीमारियों से लड़ने के लिए प्रतिरोधक भी रहते हैं. कुछ मात्रा में प्रथिन तथा पानी भी रक्त में रहतात है. मरीज की जरूरत के मुताबिक रक्त से इन घटकों को अलग कर निकाला जाता है. पीले रंग का रहने वाला घटक प्लाज्मा कहलाता है. यह कोरोना मरीज को देने पर उसके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और उसे आराम मिलता है.

### तीन रक्तपेढ़ियों का महत्व

प्लाज्मा दाता प्राप्त करने के साथ ही बड़े पैमाने पर इसे जमा करने में शहर की तीन रक्तपेढ़ियों का अत्याधिक महत्व है. इसमें जिला अस्पताल की रक्तपेढ़ी, डॉ. पंजाबराव देशमुख वैद्यकीय महाविद्यालय रक्तपेढ़ी और बालाजी ब्लड बैंक शामिल है.

कोरोना के बाद प्लाज्मा दान और वैक्सीन से पहले रक्तदान करने का आग्रह रक्तपेढ़ी, मान्यवरों द्वारा किया गया है. वैक्सीन लेने के बाद न तो रक्तदान और न ही प्लाज्मा दान किया जा सकता है. ऐसे में पहले ही प्लाज्मा तथा रक्तदान कर वैक्सीन लेने का आग्रह किया गया है.

### सेवा का मौका मिला-सोजतिया

अभी तक छह बार प्लाज्मा दान करने वाले चंदू सोजतिया के मुताबिक उन्होंने छह बार प्लाज्मा दान किया. इस माध्यम से समाज की सेवा करने का मौका मिलने पर उन्होंने संतोष जताया. साथ ही अन्यों से भी कोरोना पीड़ित मरीजों की मदद के लिए प्लाज्मा दान करने का आग्रह किया.

### जब नहीं रहता पर्याय, तब प्लाज्मा का उपयोग

कोरोना के मरीज को ठीक करने के लिए जब किसी तरह का पर्याय नहीं रहता है, ऐसे समय प्लाज्मा का उपयोग कर मरीज की रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ा कर ठीक करने का प्रयास करने की जानकारी जिलाधिकारी शैलेश नवाल ने दी.

### प्लाज्मा दान करने वाले 427 नागरिक

जिले में प्लाज्मा दान करने वाले 427 नागरिक हैं. इनके माध्यम से 840 यूनिट प्लाज्मा तैयार हुआ है. एक दाता से दो यूनिट मिलता है. अभी तक 5 यूनिट प्लाज्मा खराब हो गया. इसे नष्ट करना पड़ा. जिले में अभी भी 5 यूनिट प्लाज्मा है. अन्य जिलों से 100 यूनिट प्लाज्मा मंगाया गया है.